100 Years 1920-2020
University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 09 March 2022

HINDUSTAN PAGE 4

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एलयू में बराबरी के लिए गुब्बारे उड़े

लखनऊ। एलयू के पवेलियन ग्राऊंड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हवा में बैगनी रंग के गुब्बारे जो कि न्याय एवं समानता को दर्शाता है को छोड़कर किया गया। गुब्बारे छोड़ते हुए भेदभाव खत्म करने का संदेश दिया गया। विश्वविद्यालय में अन्य आयोजन भी हुए।

i-NEXT PAGE 2

कौतुहल | उत्तराखंड के रूपकुंड झील से शोध के लिए एन्थ्रोपोलॉजी विभाग में आईं थीं प्राचीन मानव अस्थियां, प्रो. डीएन मजूमदार टीम के साथ अध्ययन को चमोली जिले के रूपकुंड गए थे

लखनऊ विश्वविद्यालय में कैद है रूपकुंड झील का रहस्य

अध्ययन

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। 101 साल का लखनऊ विश्वविद्यालय दामन में लाखों ऐसी कहानियां समेटे हुए है, जिनपर यकीन मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप तह में जाएंगे तो खुलने वाली परतों को देखकर यकीन करना ही पड़ेगा।

ऐसी ही ऐतिहासिक दास्तान समेटे हैं एलयू का एन्थ्रोपोलॉजी विभाग यहां अध्ययन के लिए उत्तराखंड की रहस्यमयी रूपकुंड झील से लाई गई मानव अस्थियां आज भी शोध नहीं हो पाने से रहस्य कायम किए हैं। करीब 70 साल पहले यहां आई अस्थियों से जुड़ी किवदंतियां आज भी अचरज, दहशत के चलते शोध के लिए चुनौती हैं।

एन्थ्रोपोलॉजी विभाग 1951 में स्थापित किया गया। तत्कालीन विभागाध्यक्ष प्रो. डीएन मजूमदार 1956 में टीम के साथ अध्ययन को चमोली जिले के रूपकुंड गए थे। हिमालय की पहाड़ियों में 18000 फीट ऊंचाई पर बनी इस झील से वे अध्ययन के लिए मानव अस्थियां लाए थे। हालांकि डिस्प्ले नहीं कर पाए और 1960 में उनका निधन हो गया। 40 वर्षों तक अस्थियां विभाग में बंद रहीं।

वर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो. केया पांडेय के मुताबिक 1990 के दशक में जब प्रो. इन्दु सहाय यहां विभागाध्यक्ष बनीं तो उन्होंने बक्सों से अस्थियों को निकलवाया।

चमोली जिले के रूपकुंड झील में आज भी नौवीं सदी के मानवों की अस्थियां मिलती हैं। जिनके शोध के लिए एलयू में 70 साल पहले यहां से अस्थियां लाई गई थीं।

50 के दशक में प्रो. मजूमदार लेकर आए थे इन अस्थियों को

71 साल पहले रूपकुंड झील से एलयू आईं थीं अस्थियां

- चालीस साल से एंथ्रोपॉलॉजी विभाग की लैब के बक्सों में बंद
- 90 के दशक में डिस्प्ले हुईं पर अभी तक इन पर शोध नहीं हो सका

कमरा खोला तो टीला बना चुकी थीं चींटियां

विभाग के लोगों के मुताबिक जब 90 के दशक में कमरा खोला गया तो अस्थियों के बक्सों पर चींटियां मिट्टी के बड़े-बड़े टीले बना चुके थीं। इन्हें हटाकर सफाई की गई, तब बक्से खोले जा सके। बताया जाता है कि इनके अध्ययन के लिए कई शिक्षकों ने कोशिश की, लेकिन अब तक इन पर शोध या अध्ययन नहीं हो सका है।

9वीं शताब्दी के लोगों के कंकाल से भरा रूपकुंड

उत्तराखंड में18000 फीट ऊंचाई पर बनी झील के चारों ओर बर्फ के पहाड़ हैं। झील जमी रहती है। आसपास सैकड़ों मानव कंकाल हैं, अब तक के शोध के मुताबिक यहां पड़े कंकाल 9वीं शताब्दी के लोगों के हैं। संभवतः यहां से लोगों का कोई समूह निकल रहा होगा और बर्फ के तूफान में फंसकर उनकी मौत हो गई होगी।

PIONEER PAGE 3

दिल्ली विवि के कुलपति ने बताया एनईपी का महत्व

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। नई शिक्षा नीति- 2020 को कार्यान्वित करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के एचआरडीसी के तत्वावधान में एक सप्ताह तक चलने वाली कार्यशाला का उद्घाटन मंगलवार को हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो दिनेश सिंह थे। प्रो दिनेश सिंह ने कहा कि जो जिज्ञासु होते हैं, उन्हें ही ज्ञान प्राप्त होता है।

जिस प्रकार महात्मा गांधी को सत्य में अपनी आंतरिक आवाज मिली थी. उसी प्रकार हमको जिज्ञासु बने रहना है, और अपनी आंतरिक आवाज को ढूंढ निकालना है। वह आवाज हमें शिक्षा के किसी भी विषय में के जा सकती है। यह ही वह ट्रांसडिसप्लिनैरिटी है जो नई शिक्षा नीति-2020 की पहचान है।

वहीं कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने चेंज मैनजमेंट के परिप्रेक्ष्य में एनईपी-2020 को समझाया। उन्होंने बताया कि जीवन में परिवर्तन ही एकमात्र स्थाई चीज है और नई शिक्षा नीति-2020 को कार्यान्वित करने के लिए पुरानी शिक्षा नीति से एक सेतु के रूप में डेफ्रीज - मूव-रीफ्रीज का कार्य करना पड़ेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन एकेडेमिक्स एवं दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो राकेश चंद्रा ने तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एनईपी इस परिपेक्ष्य में बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय और जूट आर्टिजंस गिल्ड एसोसिएशन के बीच एक एमओयू भी हुआ।

FIRST INDIA PAGE 12

होली से पहले जारी हो जाएगा लखनऊ विवि प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक प्रथम सेमेस्टर परीक्षा का कार्यक्रम होली से पहले जारी हो जाएगा। अप्रैल में परीक्षा प्रस्तावित है। पहली बार विवि प्रशासन चार अन्य जिले हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर के जुड़े कॉलेजों के छात्रों की भी परीक्षा कराएगा। लगभग डेढ़ लाख छात्र परीक्षा में बैठेंगे। चार जिलों के कॉलेजों के छात्रों की पहली बार परीक्षा कराने जा रहा लविवि ने नोडल सेंटरों की बैठक ली। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परीक्षा कराने की व्यवस्था के बारे में चर्चा की। नोडल सेंटरों पर परीक्षा सामग्री उपलब्ध रहेगी, जहां से कॉलेजों को पहुंचाई जाएंगी। कुलपति ने नोडल सेंटरों पर समुचित व्यवस्थाएं करने के लिए सुझाव मांगे हैं। परीक्षा व्यवस्था को लेकर 12 मार्च को फिर बैठक होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

खाता विवरण गलत होने से बीएड प्रवेश परीक्षा के छात्रों को नहीं मिला अग्रिम शुल्क

लखनऊ। लखनऊ विवि की ओर से आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 के 337 छात्र ऐसे हैं, जिनके खाते में फीस का अग्रिम शुल्क 51250 अभी तक वापस नहीं हो पाया है। खाता विवरण गलत होने से ऐसा हुआ है। विवि ने ऐसे छात्रों की सूची refundjeebed2021@gmail.com पर उपलब्ध करा दी है। 13 मार्च तक सही विवरण विवि को भेजने का निर्देश दिया गया है। राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि छात्रों को खाता धारक का नाम, खाता संख्या, बैंक का नाम व शाखा का पता, आईएफएससी कोड स्पष्ट रूप से ईमेल पर भेजना होगा। खाते से संबंधित निरस्त चेक या बैंक पासबुक के प्रथम पेज की फोटो, प्रवेश परीक्षा के प्रवेश पत्र की प्रतिलिपि के साथ ईमेल पर भेजनी होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

TRUE TIMES PAGE 3

JAGRAN CITY PAGE III

सही बैंक डिटेल दें वापस होगा पैसा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (8 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से हुई संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2021-23 में कई कैंडीडेट्स का बैंक खाता विवरण गलत भर गया था, जिससे उनकी फीस वापस नहीं की जा सकी. मंगलवार को यूनिवर्सिटी ने ऐसे कैंडीडेट्स की सूची वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दी है. इन्हें 13 मार्च तक ई-मेल से अपने खाते का सही विवरण यूनिवर्सिटी को भेजना है.

वापस होगी फीस

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि बीएड 2021-23 में कुछ कैंडीडेट्स को किन्हीं कारणों से महाविद्यालय में सीट आवंटित नहीं हो पाई है. ऐसे कैंडीडेंट्स की सूची वेबसाइट पर अपलोड की गई है. ऐसे कैंडीडेट्स को उनके द्वारा जमा किया गया अग्रिम फीस, उनके बैंक खाते में वापस किए जाने का प्रविधान है. इन कैंडीडेट्स में से 337 ऐसे कैंडीडेंट्स हैं, जिनसे आनलाइन आवेदन पत्र में बैंक खाता विवरण भरने में त्रुटि हो गई है.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से पवेलियन ग्राऊंड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो रुपेश कुमार ने अतिथियों का पौधा देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो दिनेश सिंह (पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय) एवं विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ हवा में बैगनी रंग के गुब्बारे जो कि न्याय एवं समानता को दर्शाता है, को छोड़कर किया गया। गुब्बारे छोड़ते हुए कुलपति द्वारा यह संदेश दिया गया कि यह सिर्फ चंद गुब्बारे नहीं हैं जिस प्रकार यह गुब्बारे हवा में विलुप्त हो जाएंगे, ठीक उसी प्रकार हमें भी महिलाओं के साथ हो रहे हर प्रकार के भेदभाव एवं पक्षपात को खत्म करना होगा। तभी महिलाएं सशक्त एवं स्वावलंबी बनेंगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई जिसमें कुलपति ने ब्रेक द बायस चिन्ह बनाकर महिलाओ के प्रति हो रहे हर प्रकार के भेदभाव को खत्म करने का सन्देश दिया। संदेश के पश्चात कुलपति जी ने महान पार्श्व गायिका लता मंगेशकर के सम्मान में आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम के पश्चात स्लोगन लेखन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयीं। इस मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी, विवि के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बीएड में 337 छात्रों ने दी गलत जानकारी, विवि ने मांगी सूचना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 में आवेदन करने वाले 337 अभ्यर्थियों ने लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन को गलत जानकारी उपलब्ध कराई है। जिसके चलते प्रवेश से वंचित इन छात्रों को उनके शुल्क वापस नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक बार फिर से जानकारी मांगी है। बीएड के अंतर्गत कुछ अभ्यर्थियों को अपरिहार्य कारणों से किसी महाविद्यालय में सीट आवंटित नहीं हो पाई है। ऐसे अभ्यर्थियों को उनके द्वारा जमा किया गया अग्रिम शुल्क, उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के बैंक खाते में वापस किए जाने का प्रावधान है। इन अभ्यर्थियों में से 337 ऐसे अभ्यर्थी हैं जिनसे उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 के ऑनलाइन आवेदन पत्र में उनका बैंक खाता विवरण भरने में त्रुटि हो गयी है। जिसके चलते इनके खातों में अग्रिम शुल्क रुपए 51250 की राशि वापस नहीं की जा सकी है। ऐसे अभ्यर्थियों की सूची लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में जेंडर इक्वलिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो ब्रेक द बॉयस" थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना

ट्रू टाइम्स संवाददाता

अंतररष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर लखनऊ में महिलाओं का किया गया सम्मान और दिए गए गोल्ड मेडल

ट्रू टाइम्स संवाददाता

महिला दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गुब्बारे छोड़ते मुख्य अतिथि व दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश सिंह। साथ में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी व अन्य ● सौ. लवि

खाते के गलत विवरण से रुकी शुल्क वापसी

बीएड अभ्यर्थियों को 13 मार्च तक विवरण ई-मेल के जरिए उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

नोडल केंद्रों से मांगे सुझाव

होली से पहले जारी होगा परीक्षा कार्यक्रम

न्याय की देवी की प्रतिमा से तराजू-तलवार गायब

'नई शिक्षा नीति करेगी देश का हित'

जासं, लखनऊ : दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति में सारे अवसर दिए गए हैं। व्यक्ति की सुविधा के अनुसार इसमें पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। इसके टक्कर की कोई नीति आज तक नहीं आई। यह भारत की परंपराओं से जुड़ी है, जो देश का हित करेगी, लेकिन इसे सही से लागू किया जाना होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को रूसा (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) और एचआरडीसी (ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर) की ओर से हुई एनईपी-विजन टू एक्शन विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश सिंह रहे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति लागू करने में जरूरी नहीं कि सभी संसाधन हों। बस आपके अंदर क्षमता होनी चाहिए तो समाज भी आगे हाथ बढ़ाकर मदद करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इसे सबसे पहले लागू किया, यह बड़ी बात है। छात्र इसका लाभ उठाएं तो राष्ट्र का भी हित होगा। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और डीन एकेडमिक्स प्रो. राकेश चंद्रा ने भी विचार रखे। इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल अतिथियों को जूट की विशेष किट भी बांटी गईं।